

फल

मूलभाव :- प्रस्तुत कविता के माध्यम से हमारे देश हिन्दुस्तान में अनेकानेक फलों से भरा परा है। जिसमें संतरा, अनार, आम, बेर, शरीफा, खरबूज, लीची, खिरनी, तरबूज, सेव, अँगूर, पपीता, खजूर, अनारस, अंजीर, जामुन, अमरुद, प्रधान है। और कितने फल होते हैं। फल खाकर हम बलवान बनते हैं। फल खाने से रोग भी भाग जाता है।

मूलভাব :- এই কবিতাটোৰ জৰিয়তে কবিয়ে আমাৰ দেশত অনেক বকমৰ ফল থকা কথাটো প্ৰকাশ কৰিছে। কমলা, ডালিম, আম, বগৰী, আলু, বাঙী, আপেল, আঙুৰ, অমিতা, খেজুৰ, মাটি কঠাল, ডিমৰু, জামু, মধুৰী আম আদি প্ৰধান। আৰু যে কিমান ফল আছে। ফল খাই আমি স্বাস্থ্যবান হওঁ। ফল খোৱাৰ ফলত বেমাৰ নাইকীয়া হয়।

शब्दार्थ

बहार:- माधुर्य, सुन्दर, बलवान:- बलवली, रोग:- बेमार,

अभ्यास

1. प्रश्नों के उत्तर दो :

(क) फल खाने से हम क्या होते है ?

उत्तर : फल खाने से हम बलवान होते हैं।

(ख) हमारे देश में कौन-कौन से फल मिलते हैं ?

उत्तर: संतरा, अनार, आम, बैर, शरीफा, खरबूज, लीची, खिरनी, तरबूज, सेव, अँगूर, पपीता, खजूर, अनारस, अंजीर, जामुन, अमरुद, आदि फल हमारे देश में मिलते हैं।

(ग) बड़े लोगों का क्या कहना है ?

उत्तर: बड़े लोगों का कहना है कि फल खाने से रोग भागता है।

2. वाक्य बनाओ — बहार, अँगूर, बलवान, खान।

बहार – आम के पेड़ में आम लगने से बहार आ जाता है।

अँगूर – अँगूर एक पौष्टिक फल है।

बलवान – फल खाने से हम बलवान होते हैं।

शान – नाना प्रकार के फल होने से हमारे देश की शान बढ़ती है।

3. खाली स्थान भरो –

(क) फल खाकर होंगे —।

उत्तर: फल खाकर होंगे बलवान ।

(ख) जिससे बढ़े हमारी—।

उत्तर: जिससे बढ़े हमारी शान।

4. कौन-कौन से फल आप खाते हैं, उसके नाम लिखो।

उत्तर: खुद करो।